

राज

कॉमिक्स
विशेषांक

मूल्य 20.00 संख्या 253

शक्तिहीन नागाराज



ब्रह्म
Vishal



RFN

PRASHANT PRESENTS



नागराज के उपलब्ध कॉमिक

- नागराज
- नागराज की कन्न
- नागराज का बदला
- नागराज की हांगकांग यात्रा
- नागराज और शांगो
- खूनी खोज
- खूनी यात्रा
- नागराज का इंसाफ
- खूनी जंग
- प्रलयकारी नागराज
- खूनी कबीला
- कोबरा घाटी
- बच्चों के दुश्मन
- प्रलयकारी मणि
- शंकर शंहाहा
- नागराज का दुश्मन
- इच्छाधारी नागराज
- नागराज और कालदूत
- नागराज और जादूगर शाकूरा
- नागराज और बीना शैतान
- नागराज और ताजमहल की चोरी
- नागराज और लाल मौत
- नागराज और काबुकी का खजाना
- नागराज और थोडांगा
- नागराज और तूफान-जू
- नागराज और जादू का शंहाहा
- नागराज और अजगर का तूफान
- बकोरा का जादू
- पिरामिडों की रानी
- नागराज और मिस्टर 420
- थोडांगा की मौत
- नागराज और बेमबेम बिगेलो
- नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- नागराज और नगीना का जाल
- फिर आया नागदंत
- ▲ नागराज और नगीना
- ▲ नागराज और बुगाकू
- ▲ नागराज और मिस किलर
- ▲ विजेता नागराज
- ▲ विसर्पी की शादी
- ▲ शाकूरा का चक्रव्यूह
- ▲ नागराज का अंत
- ▲ जहर
- ▲ नागपाशा
- ▲ खजाना
- ▲ क्राइमकिंग
- ▲ विषकन्या
- ▲ स्नेक पार्क
- ▲ इच्छाधारी
- ▲ कंचुली
- ▲ जहरीले
- ▲ बांबी
- ▲ सपेरा
- ▲ फन
- ▲ नागिन
- ▲ विष-अमृत
- ▲ सम्मोहन
- ▲ राज का राज
- ▲ मृत्युदंड
- ▲ नागद्वीप
- ▲ त्रिफना
- ▲ महाचुद्ध
- ▲ अग्रज
- ▲ नागराज का कहर
- ▲ तांडव
- ▲ आतंक
- ▲ दुश्मन नागराज
- ▲ शक्तिहीन नागराज
- राजनगर की तबाही



सुपर कमांडो ध्रुव के उपलब्ध कॉमिक

- प्रतिशोध की ज्वाला
- रोमन हत्यारा
- आदमखोरों का स्वर्ग
- स्वर्ग की तबाही
- मौत का ओलम्पिक
- समुद्र का शैतान
- बर्फ की चिता
- रुहों का शिकंजा
- लहू के प्यासे
- महामानव
- वृद्ध
- मुझे मौत चाहिए
- बहरी मौत
- उड़नतशतरी के बंधक
- एक दिन की मौत
- विनाश के वृक्ष
- चैम्पियन किलर
- आखिरी दांव
- वीडियो विलेन
- पागल कातिलों की टोली
- ब्लैक कैट
- रोबो का प्रतिशोध
- दलदल
- उड़ती मौत
- चण्डकाल की वापसी
- ग्रेण्ड मास्टर रोबो
- आवाज की तबाही
- खूनी खिलौने
- किरीगी का कहर
- चुम्बा का चक्रव्यूह
- डॉक्टर वायरस
- सामरी की ज्वाला
- आत्मा के चोर
- वैम्पायर
- सुप्रीमा
- मैंने मारा ध्रुव को
- हत्यारा कौन
- ▲ सर्कस
- ▲ हत्यारी राशियां
- ▲ मौत के चेहरे
- ▲ कमांडर नताशा
- ▲ सजाए मौत
- ▲ अंधी मौत
- ▲ षड्यंत्र
- ▲ महाकाल
- ▲ खूनी खानदान
- ▲ अतीत
- ▲ जिगसा
- ▲ ध्रुव-शक्ति
- ▲ जंग
- ▲ दुश्मन
- ▲ विज मास्टर
- ▲ ममी का कहर
- ▲ कमांडो फोर्स
- ▲ बीना वामन
- ▲ कालध्वनि
- ▲ शह और मात
- ▲ आया चुम्बा
- ▲ चुम्बा सम्राट
- निशाचर

■ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य: 10/-
 ▲ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य: 20/-
 ● इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य: 25/-
 ◆ इस निशान वाली कॉमिक का मूल्य: 40/-

इसी सैट के कॉमिक

- ▲ शक्तिहीन नागराज (नागराज का विशेषांक) (एक संख्या: 64 मूल्य: 20/-)
- ▲ कांटे (भेड़िया का विशेषांक) (एक संख्या: 64 मूल्य: 20/-)
- स्पीड मेरी दुश्मन (एक संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (शक्ति)
- फिर आया एंथोनी (एक संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (एंथोनी)
- क्राइम इंश्योरेस (एक संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (इंस्पेक्टर स्टील)
- चीनी जासूस (एक संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (गमराज)
- हमारा प्यारा शक्तिमान (एक संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (शक्तिमान)

कोई भी साठ रुपए मूल्य या अधिक की कॉमिक आप हमसे डाक द्वारा घर बैठे मंगाएं। साथ ही प्राप्त करें एक आकर्षक गिफ्ट। कृपया साठ रुपए या अधिक का मनीआर्डर राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84 के पते पर भेजें। और अपनी मनपसंद कॉमिकों के नाम मनीआर्डर फार्म के निचले हिस्से में अपने पूरे पते के साथ साफ-साफ लिखकर भेजें।

आगामी सैट के कॉमिक

- ▲ वेलकम डोगा वेलकम स्टील (डोगा और इंसेक्टर का टू इन वन कि) (एक संख्या: 64 मूल्य: 20/-)
- ▲ नहले पर देहला (परमाणु का वि) (एक संख्या: 64 मूल्य: 20/-)
- ▲ जंजाल (भोकात का वि) (एक संख्या: 64 मूल्य: 20/-)
- ▲ राजमुकुट (बाकेलात का वि) (एक संख्या: 64 मूल्य: 20/-)
- जहर काटे जहर को (एक संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (ति)
- दूरबीन (एक संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (गम)

नगीना, नागदंत, नागपाशा, जादूगर झाकूर जैसे सुपर शक्ति युक्त खलनायक नागराज से टकराए, और नागराज की नागशक्तियों ने उनको मसल कर रव दिया-

लेकिन क्या होगा तब, जब खलनायक तो होगा सुपर शक्ति युक्त लेकिन नागराज के पास कोई भी सर्प शक्ति नहीं होगी! नागराज एक आम इन्सान की ही तरह बन चुका होगा ...

शक्तिहीन नागराज

संजय गुप्ता की पेशकश

कथा: जॉली सिन्हा. चित्र: अनुपम सिन्हा. इंकिंग: विनोद कुमार. सुलेख एवं रंग संयोजन: सुनील पाण्डेय. सम्पादक: मनीष गुप्ता.



हा हा हा !
देख शक्तिहीन
नागराज ! ये है
तेरी मौत का
फरिश्ता !

जो पहले तुम्हें 'लपट'
करेगा, और फिर हर उस चीज को
जो हमारे रास्ते में आएगी !

महानगर का सुरक्षा कवच नागराज है !
जिससे टकराकर हर मुसीबत या तो बापस पलट
जाती है, या चकनाचूर ही जाती है-

हा हा हा !
बहुत मजा आ रहा है !
एक बार और गोल-गोल
कलाबाजी रवाओ न,
पायलट अंकल !

अब उतरने का
वक्त ही रहा है बच्चों !
अभी तो कई और बच्चों
को हवाई सैर करानी
है !

एक बार और
चक्कर कटाओ न,
पायलट अंकल !

अब तो
तुम लोग
चक्कर काटते
ही रहोगे !

मेरा नंबर
कब आएगा, राज
अंकल ? आपने तो कहा
था कि सारे बच्चे हवाई
सैर करेंगे !

करेंगे बेटा !
देरवी न ! प्लेन उतर रहा
है ! तुम्हारा नंबर आ गया !

क्योंकि तुम हमारे
रास्ते में आ रहे हो !

और हमारे रास्ते में आने वाली हर चीज ब्रह्माण्ड में भेज दी जाती है! अनंत काल तक परिक्रमा करने के लिए!



कम ऑल, स्पीस चरी गैंग!

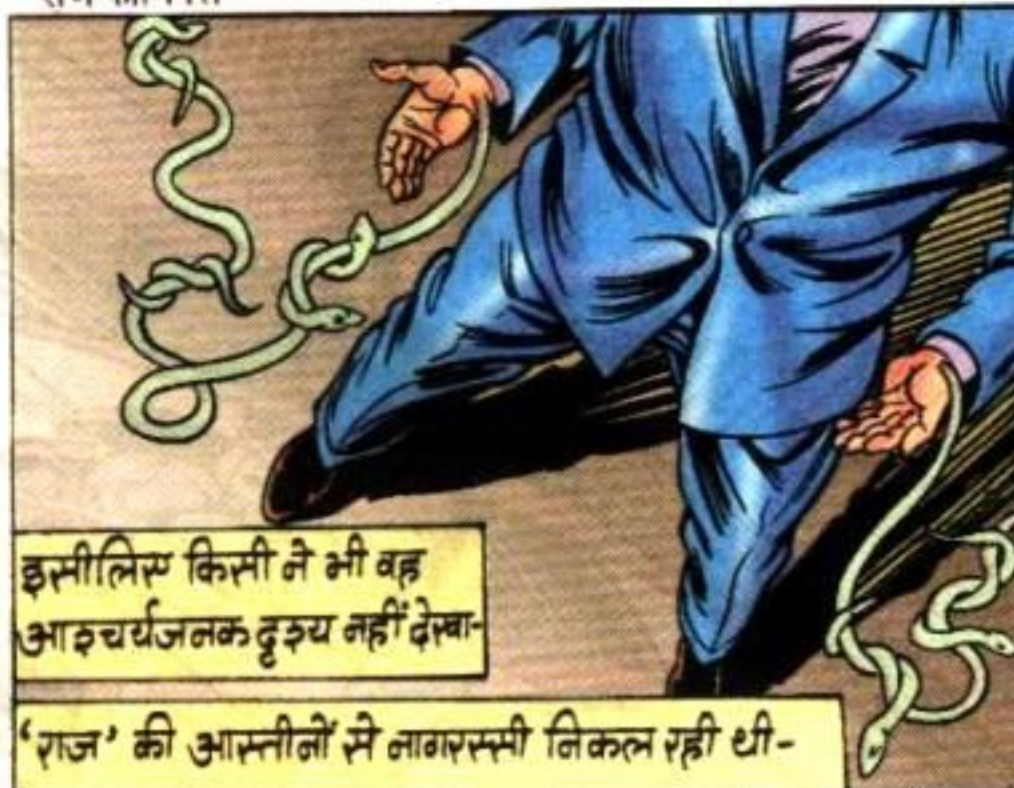
नहीं!

विमान गिर रहा है ! लेकिन सारे बच्चे और पायलट भी टूटे विमान से बाहर आ गिरे हैं, और अब वे जमीन से टकराने के लिए नीचे बढ़ रहे हैं ! नागराज बनकर उनको बचाने का समय नहीं है ! कोई और तरीका आजमाना होगा !



सभी की नजरें हवा में ही टंगी थीं-

... और फिर रबुद हवा में उठकर गिरते बच्चों और पायलट को लपेट कर...



इसीलिए किसी ने भी वह आश्चर्यजनक दृश्य नहीं देखा-

'राज' की आस्तीनों से नागरस्मी निकल रही थी-

यह अच्छी बात है कि आम रस्मियों के विपरीत सर्प रस्मी देव भी सकती है, और मेरे मानसिक संकेतों पर काम भी कर सकती है!

अब ये सर्प रस्मियां पहले केंद्रीय टॉवर से लिपटेंगी...



"... सुरक्षित जमीन पर उतार देंगी "



"और इसी दौरान - "

मैं नागराज बनकर
सुरोच्यरी गैंग से इस
हत्यारी हरकत का कारण
जानने निकल
पडुंगा !



हा हा हा ! अच्छा हुआ
कि वह जहाज हमारे रास्ते
में आ गया ! हमको अपनी
पोशाक की ताकत
परखने का मौका मिल
गया !



इस पर तो
मिसाइलें तक बेअसर हैं !
खतरा सिर्फ नागराज से है और
वह हवा में उड़ नहीं सकता !

गलत !



नागराज
उड़ सकता
है !



चाहे थोड़ी देर के लिए ही सही !



ओह ! इसने ईमारतों के बीच में साँपों के जाल तान रखे हैं ! और ये उन पर ही उधल- उधलकर इतनी ऊँचाई तक आ पा रहा है !

हमको और ऊपर जाना होगा !



ऊपर मेरे विष की तीव्र लहरें तैर रही हैं ! जिनको पार करने में तुमको पांच सेकंडों का समय लगेगा !... लेकिन उनमें तुमदो सेकंडों से ज्यादा जिन्दा नहीं रह पाओगे !

आऽऽऽह ! अब क्या करें ? जल्दी बताओ ?



हमारी पोशाक चाहे मिसाइल प्रूफ हों लेकिन नागराज प्रूफ नहीं है !

इसके बदन की दोनों तरफ से वार करके तोड़ डालो !





आऽऽऽ ह!
यह तो गायब हो गया!

इच्छाधारी शक्ति है ये, गधे!

इसका बदन तोड़ने का आइडिया देने से पहले तू इसकी इस शक्ति के बारे में भूल कैसे गया!

धम्मम्म

और फिर अपने स्पर्श से नागराज को जलाकर खत्म कर दूंगा!

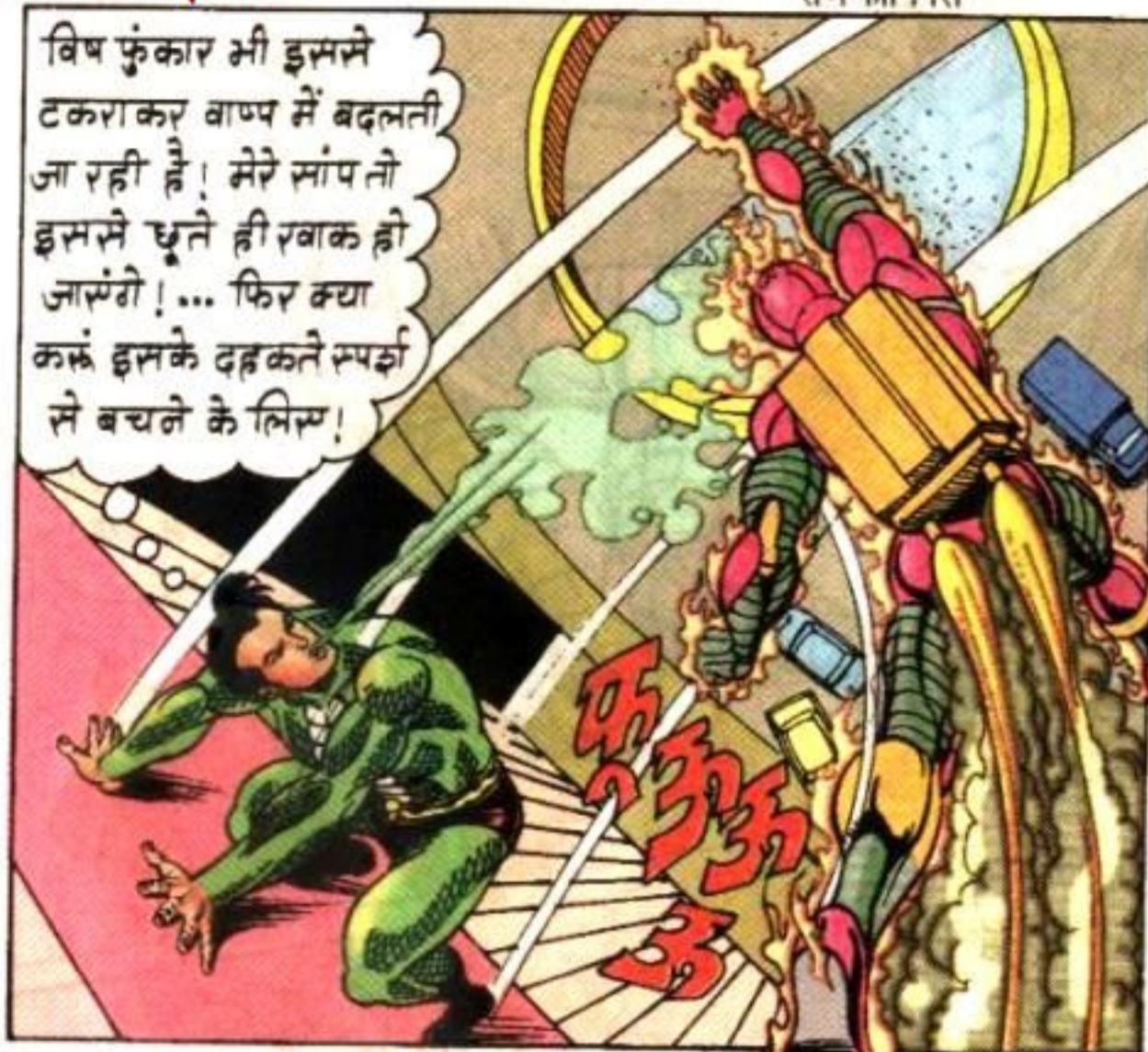


मैं हवा में गोल-गोल नाचकर, वायु के घर्षण द्वारा अपने कवच में गर्मी पैदा करूंगा... कवच का तापमान पांच हजार डिग्री तक पहुंच जाएगा!



धम्मम्म

ओह! इच्छाधारी कर्णों में बदमना खतरनाक हो सकता है! इतने उच्च तापमान पर मेरे कर्णों में न जाने क्या गड़बड़ हो जाए!



विष फुंकार भी इससे टकराकर वाष्प में बदलती जा रही है! मेरे सांप तो इससे धूते ही रवाक हो जाएंगे! ... फिर क्या करूं इसके दहकते स्पर्श से बचने के लिए!



ओ हां! ये चीज काम में आ सकती है!



हा हा हा! अब तू बचकर कहाँ जाएगा, नागराज? अब तो तू सिर्फ रवत्म हीगा!

नागराज तेजी से एक तरफ हटा-



और- ओsss ओsssss! ये तो पानी है! इस दीवार के पीछे पानी की टंकी थी! भाप के कारण मुझे कुछ दिरब नहीं रहा है!

लेकिन मैं अपनी सर्प इंद्रिय की मदद से सब देख सकता हूँ!



तुम्हें भी, और तेरे जबड़े को भी!

आsss ह!



हम बेवकूफी कर रहे हैं! नागराज से लड़ने में समय खर्चा कर रहे हैं!

तुम नागराज को रोको! तब तक मैं काम निपटाकर आता हूँ!

ओ. के! तुम जाओ!

ओ! एक स्प्रिंगर में बंधा भाग रहा है! अच्छा ही है! अब मुझे इनसे निपटने में कम समय लगेगा!



तूने हमारी शक्ति को बहुत कम समझा है, नागराज! अब देख कि मैं तेरा क्या हाल करता हूँ!

ओह! धल्ले मेरी बांहों को कस रहे हैं! खून का प्रवाह रुक रहा है!



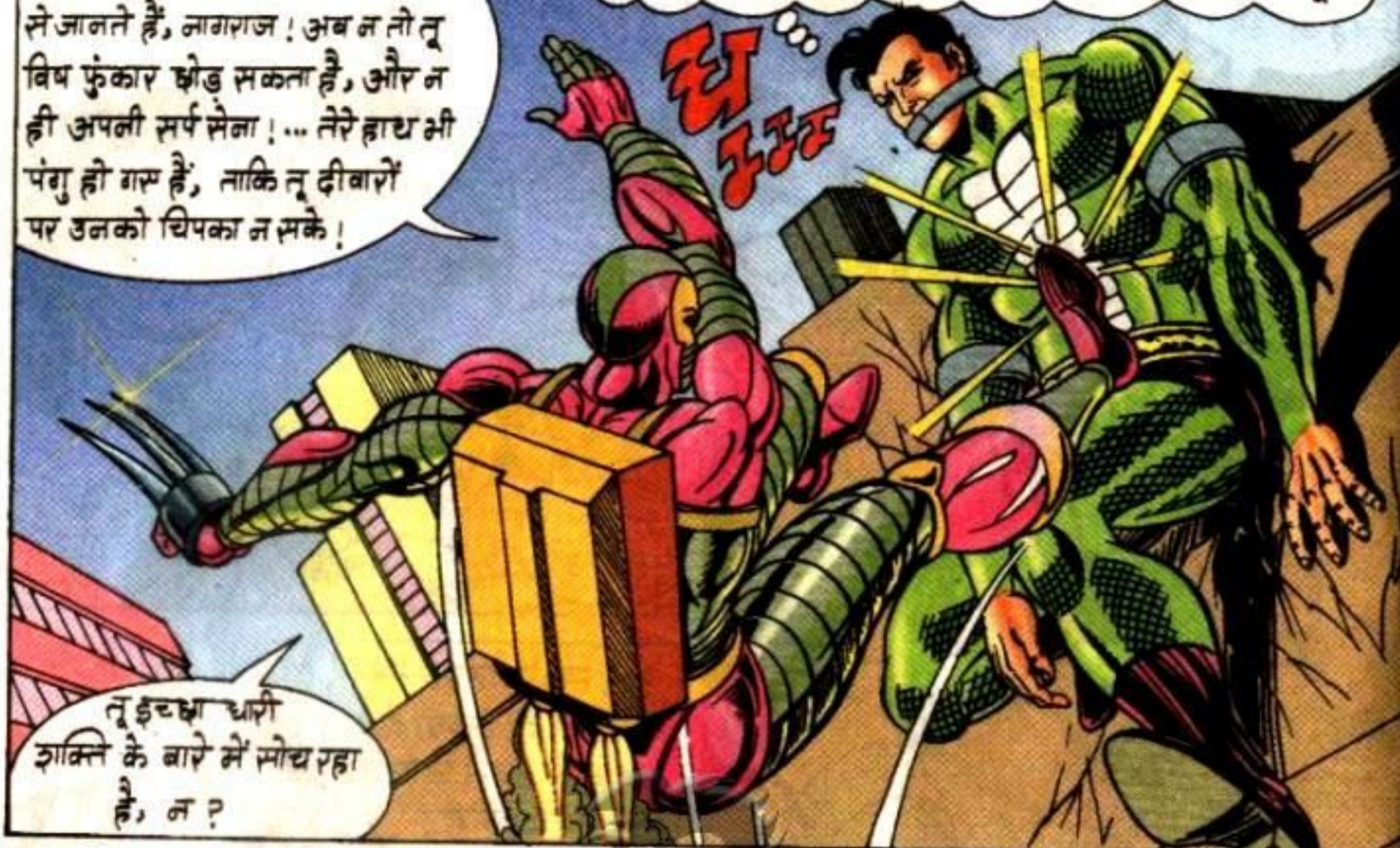
हाथ सुन्न हो रहा है! यानी अब मेरे दिमाग के संकेत मेरे हाथ तक नहीं पहुंच सकते! और बगैर ऐसा हस्त सर्प बाहर नहीं आ सकते!



अभी विष फुंकार का प्रयोग करके इसको बेहोश... हप्प!

हम तेरी शक्तियों को अच्छी तरह से जानते हैं, नागराज ! अब न तो तू विष फुंकार छोड़ सकता है, और न ही अपनी सर्प सेना ! ... तेरे हाथ भी पंगु हो गए हैं, ताकि तू दीवारों पर उनको चिपका न सके !

लेकिन मैं इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग अभी भी कर सकता हूँ !



तू इच्छाधारी शक्ति के बारे में सोच रहा है, न ?

लेकिन हमने उसका तोड़ भी सोच रखा है !

अम्ममफ़ ! अम्ममफ़ !



मैं इच्छाधारी शक्ति का इन धल्लों से करंट मेरे शरीर में प्रवाहित हो रही है ! प्रयोग करने मिस्र दिमाग केन्द्रित नहीं कर पा रहा हूँ !

ये धल्ले मेरे शरीर पर कस गए हैं ! और मेरे हाथों में इनको हटाने लायक शक्ति नहीं है !

मेरी शक्तियों के बारे में कौन इतनी गहराई से जान सकता है कि मुझे इतनी आसानी से इतना बेबस कर सके !



अब तू बिल्कुल असहाय है नागराज ! एक बच्चे की तरह अब तू अपनी मौत को देखेगा, मगर कुछ कर नहीं पाएगा !

आsss ह! मेरे हाथों में थोड़ी ताकत मौजूद है! अगर ये धल्ले किसी तरीके से जरा सा ढीले हो पाएंगे तो मैं इनको निकाल फेंकू!

पर ये ढीले होंगे कैसे?

रव

हां! एक तरीका है!

शाक

अगले ही पल-

ओsss तू टंकी में घुसकर करेंट से बचना चाहता है! तू समझता है कि पानी में ये करेंट फैल जाएगा, और तुम्हें राहत मिल जाएगी! लेकिन टंकी में इतना पानी ही नहीं! मैं तुम्हें बचने नहीं दूंगा!

मैं तेरे पीछे-पीछे आकर तुम्हें संभलाने से पहले...

... रवत्म कर दूंगा!

आsss ह! यह असंभव है! सांप तो तेरे शरीर से निकल ही नहीं सकते!

मेरी बाजू को कसे हुए तेरे छल्ले धातु के बने थे ! और धातु गर्मी पाकर बढ़ती है ! इस टंकी के पानी का तापमान अभी भी तेरे दोस्त के कारण इतना अधिक था कि उसने छल्लों को गर्म करके इतना ढीला कर दिया कि मैं इनको निकाल फेंकूं !

अब तू भी अपने एक दोस्त के साथ इस टंकी में आराम कर...

... तब तक मैं तेरे दूसरे दोस्त को भी ले आता हूं ! फिर लूंगा तुम तीनों से बच्चों की जिन्दगी की खतरे में डालने का हिस्सा !

महानगर की एक गगन चुंबी इमारत में स्थित एक प्राइवेट प्रयोगशाला में

हमारा 'मेमोरी ट्रांसफर यंत्र' जानवरों पर तो कामयाब रहा है ! कुत्ता, बिल्ली जैसी हरकतें करने लगा ! अब इन्सानों पर प्रयोग करना होगा !

वह मैं कर लूंगा !

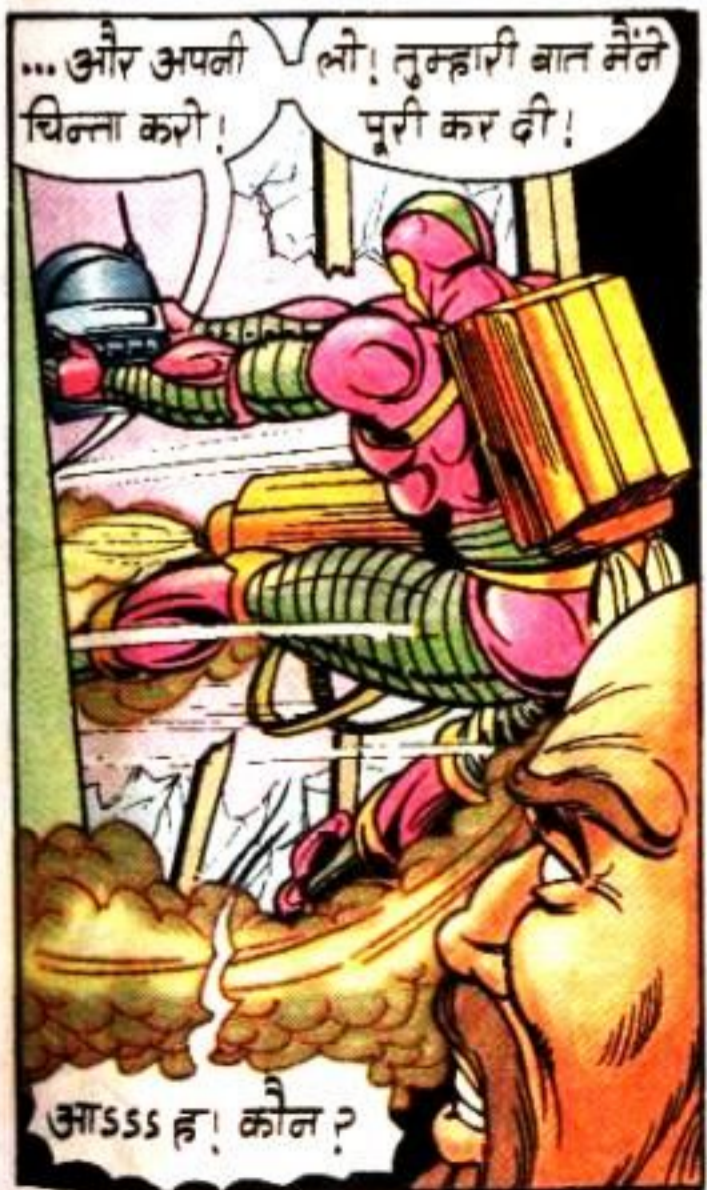


तुम लोगों ने इसका बोझ इतनी देर तक ढोया, उसके लिए धन्यवाद! अब इसको मैं ले जाऊंगा!

ये... ये कौन है? और इसको मेमोरी ट्रांसफर यंत्र के बारे में पता कैसे चलता है?



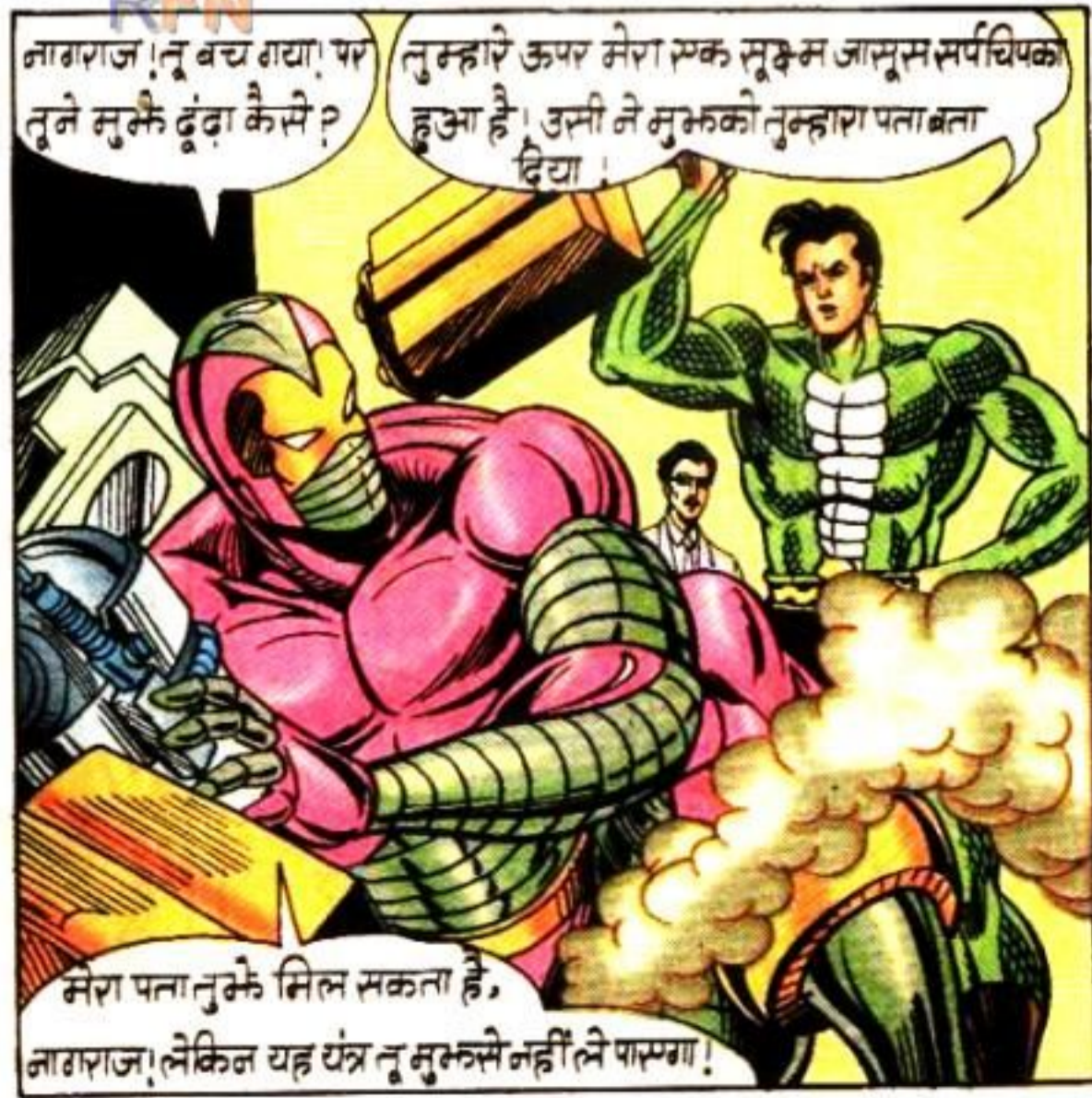
उसकी चिन्ता करना छोड़ी...



... और अपनी चिन्ता करो!

लो! तुम्हारी बात मैंने पूरी कर दी!

आsss ह! कौन?



नागराज! तू बच गया! पर तूने मुझे ढूँढा कैसे?

तुम्हारे ऊपर मेरा एक सूक्ष्म जासूस सर्पचिपका हुआ है! उसी ने मुझको तुम्हारा पता बता दिया!

मेरा पता तुम्हें मिल सकता है, नागराज! लेकिन यह यंत्र तू मुझसे नहीं ले पाएगा!

इसको 'मेमोरी ट्रांसफर गैजेट' मत ले जाने देना, नागराज! हालांकि इसका प्रयोग अभी इन्सानों पर नहीं किया गया है, लेकिन थोड़ी सी भी मानसिक शक्ति रखने वाला कोई भी इन्सान इसके जरिए किसी की भी याददाश्त छानी मेमोरी को छीन सकता है!



यह यहां से एक आत्मपिन तक नहीं ले जा सकता, प्रोफेसर! वैसे भी मैं बगैर यंत्र के इसकी याददाश्त को गुम करने वाला हूँ!



जरूर करो! लेकिन 'मेमोरी ट्रांसफर' को गुम मत कर देना!

अब ये कौन है?



ये... ये तो शंकुनाद है! इसमें थोड़ी-बहुत मानसिक शक्तियां हैं! जैसे देखकर चम्मच मोड़ लेना! इससे हमने मेमोरी ट्रांसफर यंत्र का परीक्षण करने के लिए संपर्क किया था!

अब समय में आया! इसने ही इस अत्यन्त गुप्त आविष्कार की खबर सरोस्यरो गैंग वालों को कर दी होगी!

वह डोरियों के सहारे
उतरा था! यानी इस वक्त
उसकी छत पर होना
चाहिए!

बहरहा! सर्प सेना इसके पैर
जकड़कर इसकी रोकेगी!

तेरी सर्प सेना मुझ
तक नहीं पहुंच पाएगी
नागराज! मेरी मानसिक
तरंगों इनको भ्रमित कर
देगी!
तुझसे टकराने की मैंने
सोची भी नहीं थी! लेकिन
जब सरोय्यरो मेंबर के
पीछे तुझे भी इमारत में
घुसते देखा, तो मुझे
तुझसे टकराने आना
ही पड़ा!
शंकुनाद जो काम
करने की ठान लेता है
उसमें कभी
असफल नहीं होता!



असफल तो तू होगा ही होगा, झंकुनाद ! क्योंकि तेरा सामना नागराज से है !

सर्पो पर तो तू मानसिक वार कर सकता है, लेकिन विष फुंकार का क्या करेगा ?



तुम्ह पर... आsssह... मानसिक वार... करूंगा ! ओsssह ! तुम्हकी... फुंकार रोकने के लिए आदेशा... दूंगा !

फुंकार

यह सर्पो का नहीं, नागराज का दिमाग है !



इस पर तेरे मामूली वार असर नहीं करेंगे !

आsssह !



तो फिर मुझे मेमोरी ट्रांसफर गैजेट पहनने का खतरा उठाना ही पड़ेगा !



देखूं कि ये इन्सानी दिमाग की याददाश्त को स्थानांतरित कर सकता है या नहीं !

आsssह !

'मेमोरी ट्रांसफर गैजेट' में मेरी मानसिक तरंगों ने ऊर्जा दौड़ा दी है! यानी अब मैं तेरी याददाश्त को खींचने के लिए तैयार हूँ!



X-001239.711 HORIZONTAL Y-99/2342 VERTICAL

MEMORYS TRANSFER ACTIVATED SEARCH

पहले मेरी याददाश्त तक पहुंच तो ले झंकुनाद!

मैं योगसाधना के द्वारा अपने मस्तिष्क को शून्य कर लूंगा! और जब तक तू मेरी याददाश्त तक पहुंचेगा तब तक तेरा दिमाग खुद अंधेरे में गुम हो चुका होगा!



मैं... मैं असफल हो रहा हूँ! ऐसा नहीं होगा! ऐसा नहीं होना चाहिए! कुछ करना होगा! नागराज के दिमाग को एक ऐसा झटका देना होगा, जिससे वह शून्य से बाहर आ जाय!

अगले ही पल नागराज के ऊपर पानी का सैलाब उमड़ पड़ा-



इस झटके ने नागराज के दिमाग को शून्य अवस्था से बाहर ला दिया-



और वह 'झटका' मुझे साफ सामने दिख रहा है!



ओफ़ !... एक टंकी ने मुझे बचाया, और दूसरी ने मुझे डुबो दिया !

हा हा हा ! अब मैं तेरे दिमाग में घुसकर तेरी याददाश्त को चुराऊंगा ...

... और तू कुछ भी नहीं कर पाएगा!...



आउउउह

सर में भयंकर दर्द हो रहा है !

शकुंताद, इच्छाधारी शक्ति के उस केन्द्र को धेड़ बैठा था, जो उसमें घुसने की चेष्टा करने वाली को एक भीषण झटका मारता था-

आसस ह! लगता है जैसे सर पर पूरा पहाड़ गिर पड़ा हो! नागराज के दिमाग में घुसा नहीं जा सकता! लेकिन इस वक्त नागराज भी पूरे ही शोहवास में नहीं है! यानी भागने का अच्छा मौका है!



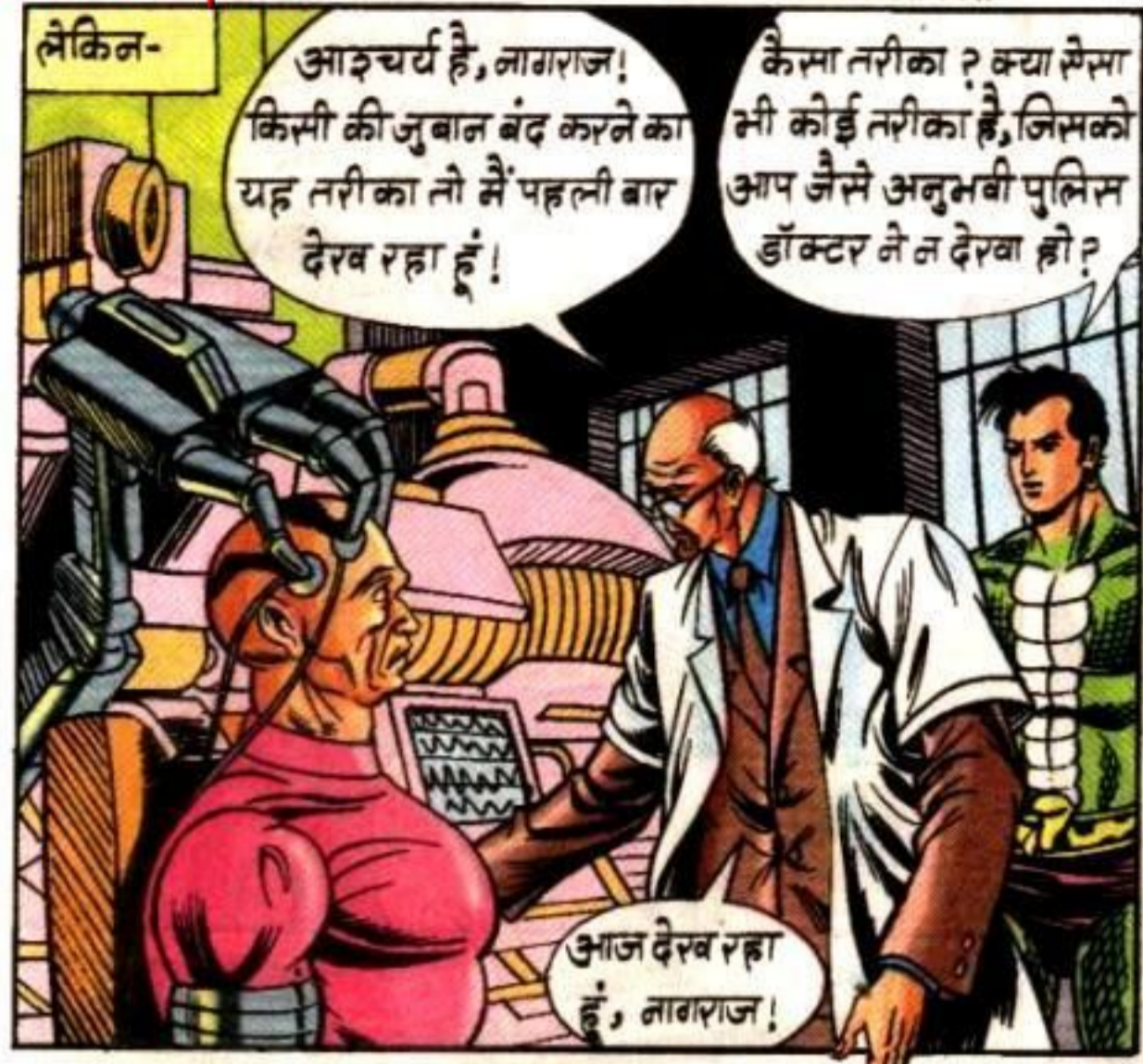
और वैसे भी मुझे जिसका इंतजार था, वह आ चुका है! देर से आया, लेकिन आया तो सही!



ओफ! झंकुनाद, मेमोरी ट्रांसफर यंत्र लेकर भाग रहा है, और मैं उसको रोकने की स्थिति में नहीं हूँ!



झंकुनाद रबुद किसी के लिए काम कर रहा है! स्पीसरो गैंग की योजनाओं और उड़ाने जाने वाला चमत्कारी यंत्र बना पाना उसके बस की बात नहीं लगती! फिर कौन हो सकता है इसके पीछे? खैर यह तो स्पीसरो गैंग के सदस्यों से पता चल ही जाएगा!



लेकिन-

आश्चर्य है, नागराज! किसी की जुबान बंद करने का यह तरीका तो मैं पहली बार देख रहा हूँ!

कैसा तरीका? क्या ऐसा भी कोई तरीका है, जिसको आप जैसे अनुभवी पुलिस डॉक्टर ने न देखा हो?

आज देख रहा हूँ, नागराज!



इनकी पिछली याददाश्त स्कदम गायब हो चुकी है! इनको तो यह भी याद नहीं है कि ये कौन हैं, और इस पीशाक में कर क्या रहे हैं?

कहीं ये नाटक तो नहीं कर रहे?

नहीं, नागराज! सारे टेस्ट पॉजिटिव है! इनकी याददाश्त सचमुच गायब हो चुकी है!

ओफ़! अब यह कैसे पता चलेगा कि इनको भेजा किसने था, और मेमोरी ट्रांसफर गैजेट इस वक्त कहां पर है?

'गैजेट' यहां पर था-

शाबाश, शंकुनाद! तूने इस यंत्र को मेरे पास लाकर अपने आपको करोड़पति बना लिया है! लेकिन तेरा काम अभी खत्म नहीं हुआ है!



काम तो अभी शुरू हुआ है, मैडम! वह नागराज...

नागराज ! नागराज
बीच में कहां से आ गया ?

बीच में कहां से आया, मिस
किलर, यह तो पता नहीं ! यह तो
भला ही मेरा कि मैं उन सरोस्यरो
गोंग बालों के पीछे लगा था, जिसकी
आपने किरास पर लेकर, अपनी
पोशाकें देकर भेजा था!

उनमें से दो को तो नागराज ने
पहले ही धूल चटा दी, पर तीसरा
लैब तक पहुंचकर गैजेट लेने
में कामयाब हो गया !



फिर क्या
हुआ ?

नागराज लैब तक भी
पहुंच गया ! लेकिन मैंने वहां पहुंचकर
गैजेट को उससे छपट लिया ! हम
दोनों में भयंकर लड़ाई हुई...

... मैंने 'मेदां यंत्र' यानी
मेमोरी ट्रांसफर यंत्र पहनकर उसकी मेमोरी
चुराने की कोशिश की ! लेकिन मुझे एक तेज झटका लगा...



हुम ! यानी तुम नागराज की याददाश्त चुराने के चक्कर में उसकी इच्छाधारी शक्ति के केन्द्र से जा टकराए थे !

आप... नागराज के बारे में इतना कैसे जानती हैं ?

झोथ ! नागराज की शक्तियों के बारे में मैं कई जगहों से कई जानकारियाँ हासिल कर चुकी हूँ !



लेकिन अब नागराज इस घटनाचक्र में उलझ चुका है ! वह हमारा पीछा नहीं छोड़ेगा !

क्यों न नागराज को 'मेद्रां यंत्र' का पहला शिकार बनाया जाए !

ऐसे यंत्र की टेस्टिंग भी हो जायेगी, और नागराज हमारे रास्ते से हट भी जायेगा...



लेकिन उसका दिमाग तो भटका मारना है !

गलत जगह पर हाथ डालोगे तो भटका लगेगा ही ! नागराज को उसकी शक्तियों का प्रयोग करने पर मजबूर करो, और शक्ति प्रयोग के दौरान उस स्वयं शक्ति का केन्द्र उसके दिमाग में टूँदी, और वहाँ की मेमोरी चुरालो !

ऐसे नागराज के दिमाग में उसकी शक्तियों की कोई मेमोरी रहेगी ही नहीं, और नागराज शक्तिहीन हो जायेगा !

हुम ! हो सकता है !

लेकिन जहाँ नागराज की शक्तियों की मेमोरी ट्रांसफर करेगे, वहाँ नागराज की शक्तियाँ भी ट्रांसफर हो सकती हैं ! आखिर उसका दिमाग ही तो शरीर में वे रासायनिक प्रक्रियाएँ कराता है, जिसके फलस्वरूप ये विपैली शक्तियाँ बनती हैं !



और आज तक ऐसा इंसानी जिस्म बना ही नहीं, जो नागराज की शक्तियाँ सब सके !

नागराज की शक्तियां किसी भी इंसानी शरीर में पहुंचते ही विष बनना शुरू होने से वह शरीर गलन जाएगा ! और शरीर के स्वतंत्र होते ही वे शक्तियां शायद फिर से नागराज के दिमाग में वापस पहुंच जायंगी !

वह शरीर मैं बनाऊंगी जो नागराज की शक्तियों को रब सके ! तुम नागराज की शक्तियां स्थानांतरित करने की तैयारी करो !...

फिर हमारे पास रुक नया और वह होगा नागराज होगा ! जिसके हमारा गुलाम ! पास उसकी सारी शक्तियां होगी !



नागराज अभी अंधेरे में ही था -

नहीं, नागराज ! 'मेमोरी ट्रांसफर यंत्र' में ऐसी कोई चीज नहीं लगी है, जिससे कि उसको बंद जा सके !

ओsss ! मुझे खतरे का आभास हो रहा है ! बाहर कोई खतरा है !

कोई ऐसा तरीका, जिससे यंत्र को किसी की दाद-दाइत स्वीचने से रोक जा सके !



नहीं, नागराज ! ऐसा कोई तरीका भी नहीं है !

अच्छा! तो ये है वह स्वतंत्र, जिसकी
चेतावनी मुझको मेरी 'सर्प इंद्रियां'
दे रही थीं! ...



कुत्ताक

ये जो कोई भी है, इसका संबंध उसी शरवस से लगता है, जिसने सरोस्यरो गौंग और झंकुनाद को भेजा था...

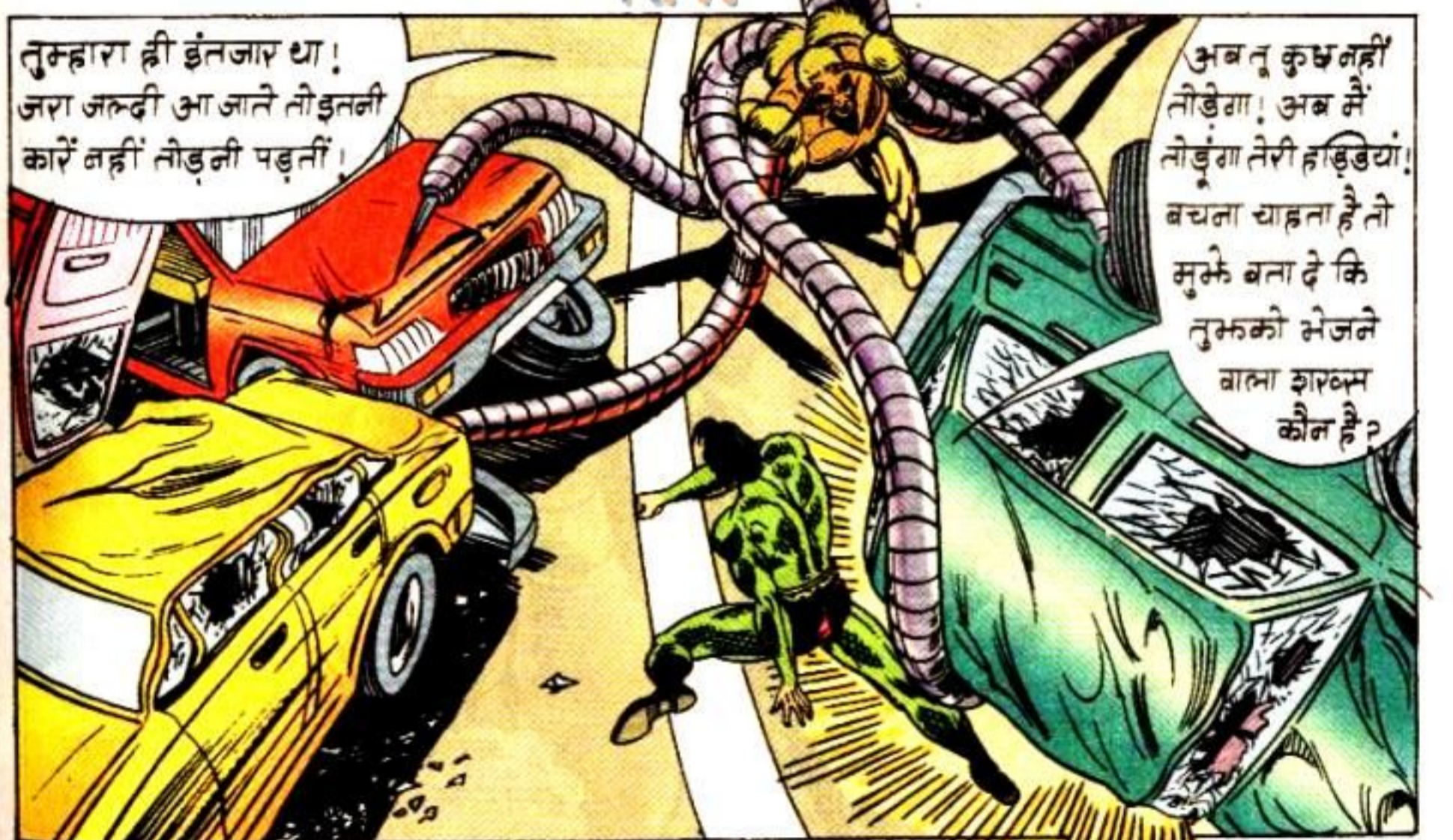
... क्योंकि इसके शरीर पर भी वैसे ही आश्चर्यजनक मशीनी यंत्र फिट हैं, जैसे सरोस्यरो गौंग के शरीर पर थे, और जैसा एक यंत्र झंकुनाद को उठा ले गया था !



नागराज !

तुम्हारा ही इंतजार था ! जरा जल्दी आ जाते तो इतनी कारें नहीं तोड़नी पड़तीं !

अब तू कुछ नहीं तोड़ेगा ! अब मैं तोड़ूंगा तेरी हड्डियां ! बचना चाहता है तो मुझे बता दे कि तुमको भेजने वाला शरवस कौन है ?



मुझे तोड़ने के लिए तुमको मेरे पास पहुंचना पड़ेगा ! और इन मशीनी हाथों के रहते सिर्फ तुम्हारी नागाशक्तियां ही मेरे पास पहुंच सकती हैं, तुम नहीं !

बड़ी अजीब बात कही इसने!



ऐसा लगा जैसे कि ये मुझको मेरी नागाशक्तियों का प्रयोग करने के लिए उकसा रहा हो ! लेकिन उससे तो इसको नुकसान ही हो सकता है ! फायदा नहीं !
आsssह ! करेंट !

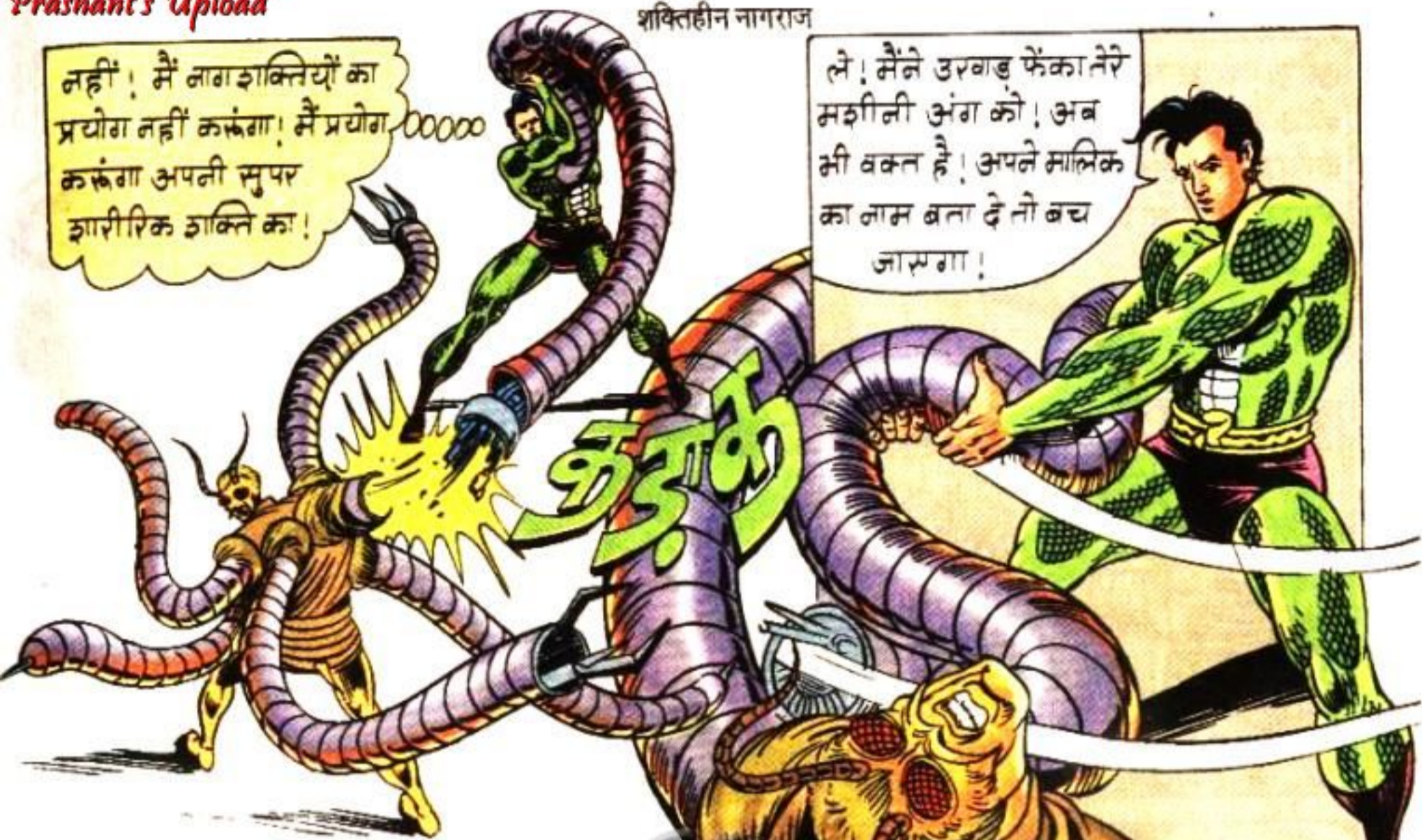
हा हा हा ! नागराज, देरवी अब छोड़ मुझ पर नागा सेना ! मक्कड़ाक की शक्ति ! छोड़ विष फुंकार ! या मर !



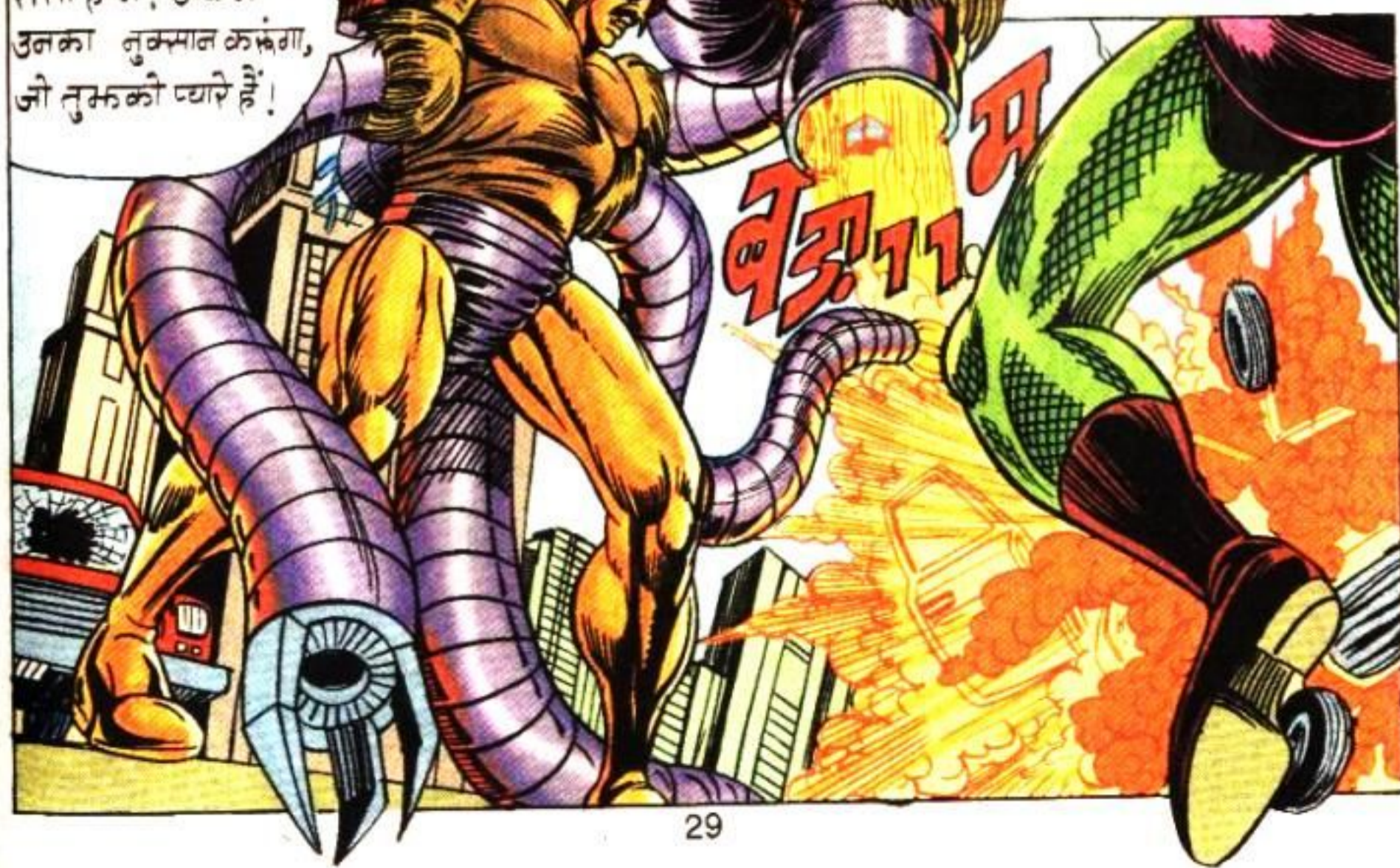
... वरना मेरा कर अपनी शक्तियों का सारा खेतन इस्तेमाल, नागराज !... बिगाड़ जाएगा !

नहीं! मैं नाग शक्तियों का प्रयोग नहीं करूंगा! मैं प्रयोग करूंगा अपनी सुपर शारीरिक शक्ति का!

ले! मैंने उरबाबु फेंका तेरे मझीली अंग को! अब भी वक्त है! अपने मालिक का नाम बता दे तो बच जाएगा!



तुम्हें अपनी जिन्दगी से प्यार न सही, लेकिन निर्दोष इंसानों की जिन्दगी से तो है न! अब मैं उनका सुखमाल करूंगा, जो तुम्हकी प्यारे हैं!



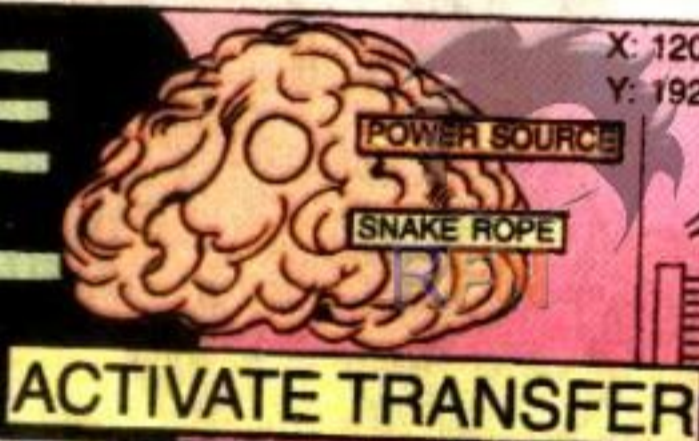
ओफ़! ये अपनी शक्तियों को और घातक बनाकर हमले कर रहा है! अब तो मुझे नागा शक्तियों का प्रयोग करना ही पड़ेगा!



हां, हां! अब नागराज के मस्तिष्क में एक बिन्दु चमक उठा है! वह किसी सर्प शक्ति का प्रयोग करने जा रहा है! पर कौन सी?

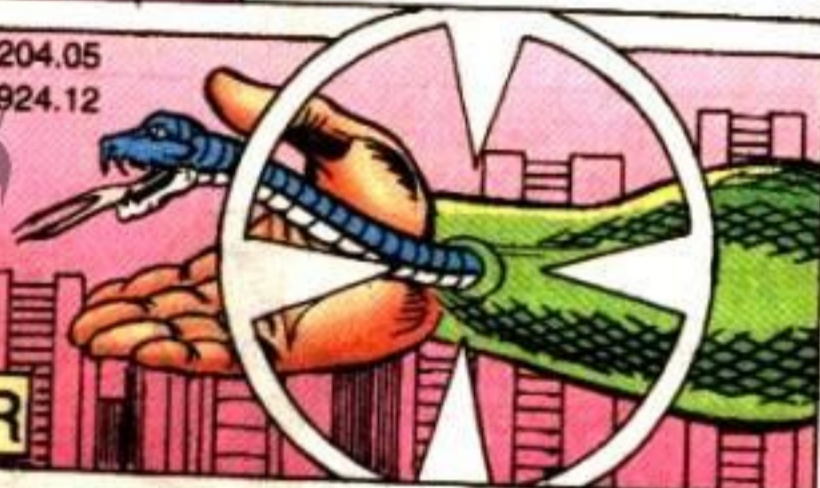
सर्प रस्सी!

यह शक्ति मुझे खींचनी है! खींचनी है!



X: 1204.05

Y: 1924.12



नागरस्सी जाकर मशीनी हाथ पर लिपट गई-



और निशाना बदल गया-





तूने... तूने मेरी दो बांहें तोड़ दी!

अब मैं तेरी बाकी बांहें भी तोड़ूंगा!

TRANSFER OPERATIONAL

X: 1392.12
Y: 2215.01



TRANSFER COMPLETE



और फिर- अरे! सर्प रस्मी कहाँ गई? और सर्प रस्मी क्यों नहीं निकल रही है? ये... ये क्या चक्कर है?

इस चक्कर के चक्कर में मत पड़ नागराज! उन चक्करों की सोच...

... जो तुमकी अभी आने वाले हैं!

आsssह! कांटेदार हाथ मुझे जकड़ रहे हैं!

मेरी हड्डियां तोड़ रहे हैं! इनसे मैं इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करके बच सकता हूं, लेकिन डर यह है कि कहीं इच्छाधारी शक्ति भी नागरस्सी की तरह लुप्त न हो जाए!



इच्छाधारी शक्ति खोने का खतरा उठाना ठीक नहीं है! पहले दूसरी शक्तियों का सहारा लेना चाहिए!



ओफ़! नागराज दूसरी किसी शक्ति का प्रयोग करने जा रहा है!



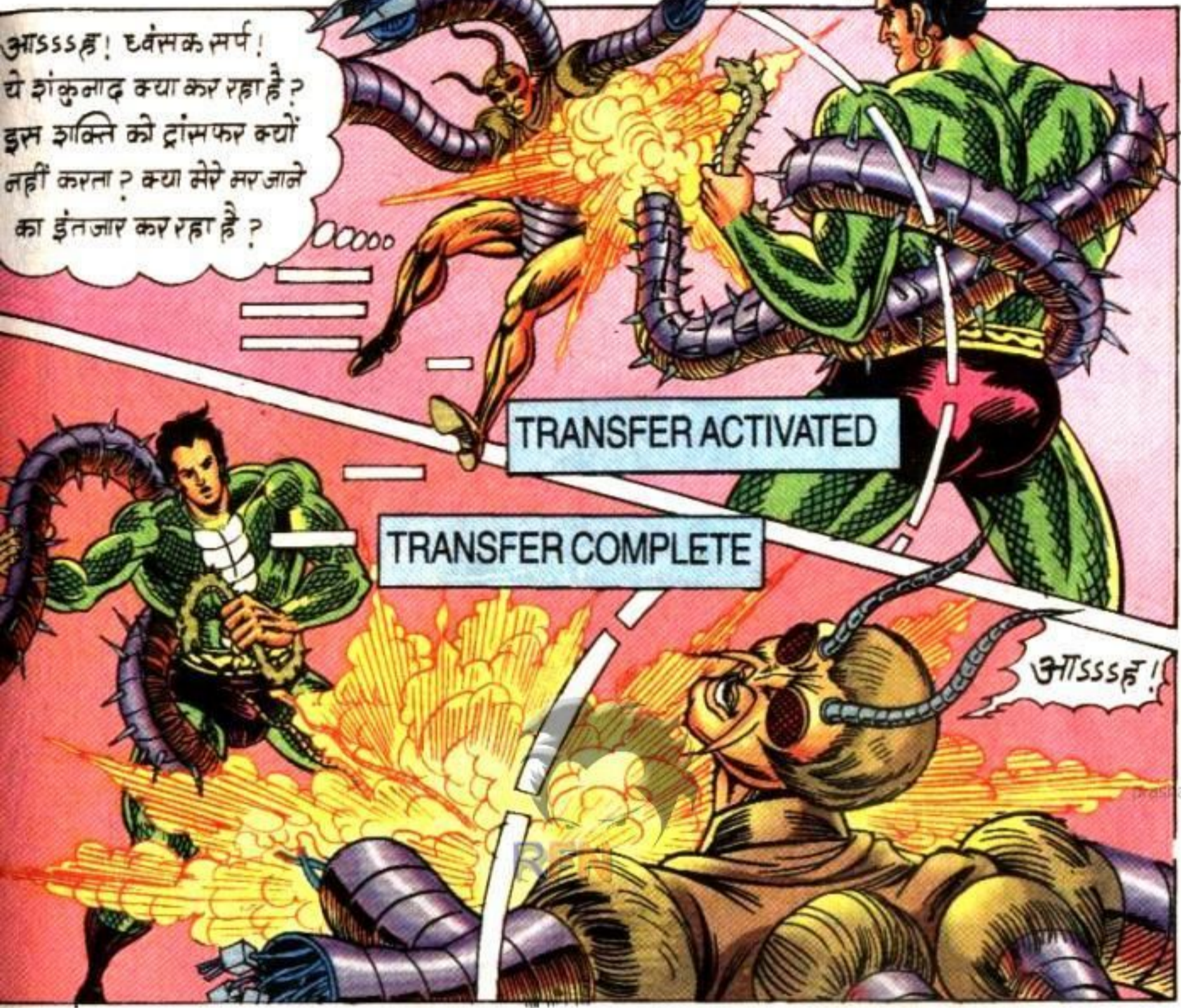
लेकिन उस शक्ति को स्थानांतरित करने से पहले मुझे इस शरीर का हाल जानना होगा, जिसमें ये शक्तियां डाली जा रही हैं!

तुम...तुम ठीक तो हो न?

मैं एकदम दुरुस्त हूँ!

शाबाश! तैयार रहो! दूसरी शक्ति भी तुम्हारे शरीर में आने वाली है!





आऽऽऽह! ध्वंसक सर्प!
 ये शंकुनाद क्या कर रहा है?
 इस शक्ति को ट्रांसफर क्यों
 नहीं करता? क्या मेरे मर जाने
 का इंतजार कर रहा है?

TRANSFER ACTIVATED

TRANSFER COMPLETE

आऽऽऽह!



अरे! ध्वंसक सर्प भी
 गायब! साथ ही साथ
 वरदान स्वरूप मिले नागाफनी
 सर्प भी चले गए हैं! जरूर
 कुछ गड़बड़ है! अपने जासूस
 सर्पों से सच्चाई का पता
 लगवाता हूँ!



हा हा हा! मेरा पलड़ा देख, मेरी नई
 स्क बार फिर भारी हो शक्तिका कमाल!
 गया है, नागराज!

आऽऽऽह! इसने मुझे जालों में जकड़ दिया है! जाले जमीन में चिपके होने के कारण मैं इस स्थान से भी चिपक सा गया हूँ! और तो और, मैं यह भी नहीं देख सकता कि यह मुझ पर किस चीज से वार कर रहा है, जो मेरी हड्डियों को तोड़ देने पर उत्तार है!



मैं इन जालों को तोड़ सकता हूँ! लेकिन उसके लिए मुझे कुछ पत्तों की झांति चाहिए! ताकि मैं अपनी ताकत का प्रयोग कर सकूँ!

शांति पाने का एक ही उपाय है !
विष फुंकार ! क्योंकि विष फुंकार
ऐसा हथियार है, जिसके लिए देखने
या निशाना साधने की जरूरत
नहीं पड़ती !... ओह ! यह क्या ?
जासूस सर्पों के मानसिक संकेत
आ रहे हैं !

जासूस सर्पों के
अनुसार वातावरण
में मानसिक तरंगों
तैर रही हैं !

मेरी शक्तियों के
बाधब होने और यहां
मानसिक तरंगों के
मौजूद होने का एक ही
अर्थ हो सकता है !...

... इंकुनाद, मेमोरी
ट्रांसफर यंत्र के साथ
यहां मौजूद है !

सूडूडूडूडू



नागराज को
निर्णय लेना
ही पड़ा-

फूऊऊऊ



यानी मैं... मैं
अगर विष फुंकार का
प्रयोग करूंगा तो यह
शक्ति भी खिन जासगी !

लेकिन अगर नहीं
करूंगा तो जिन्दगी
खिन जासगी !

निर्णय लेना ही
होगा ! और वह भी बहुत
जल्दी !

आsss ह!
आsss ह!

ये फुंकार तो
दम घोटू और जानलेवा
है !

आsssह!
आsssह!

नागराज विषफुंकार का प्रयोग कर रहा है! लेकिन यह क्या?... इस बार वह सतर्क है! उसने सिर्फ एक पल के लिए ही फुंकार का प्रयोग किया! मुझे फुंकार शक्ति की मेमोरी को रवींच पाने का समय ही नहीं मिला!

नागराज को संभलकर जाले तोड़ पाने का मौका नहीं देना है! मक्कड़ाक के संभलने तक मैं इसको फुंकार का प्रयोग करने पर मजबूर करूंगा!

शायद नागराज को आभास हो गया है कि मैं यहां पर मौजूद हूं!

पलभर के लिए फुंकार का प्रयोग फिर से करता हूं!

शंकुनाद को इसी पल का इंतजार था-

X: 2921.13
Y: 1391.78

TRANSFER ACTIVATED

ओफ़! विष फुंकार भी गायब हो गई!

ओह! फिर से बार! यानी तू अभी तक बेहोश नहीं हुआ है, मक्कड़ाक!

यानी अब यह पक्का हो गया है...

... कि शंकुनाद पास में ही है!

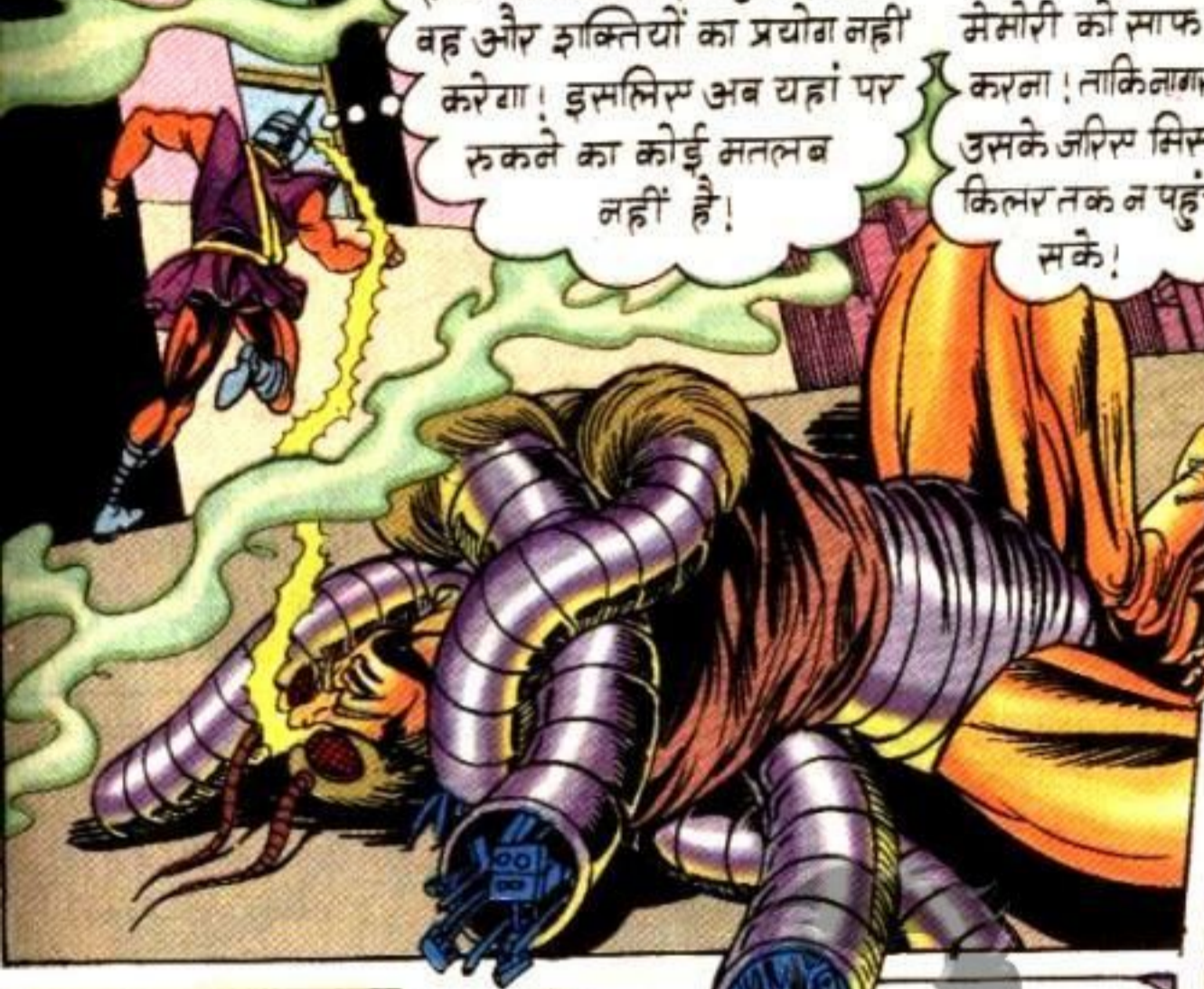
जासूस सर्पों के द्वारा अभी उसको ढूंढता हूं!...

शंकुनाद रबुद भागने की फिराक में था -

मक्कड़ाक बेहोश हो चुका है, और नागराज को मेरे यहां पर होने का आभास हो चुका है! अब वह और शक्तियों का प्रयोग नहीं करेगा! इसलिए अब यहां पर रुकने का कोई मतलब नहीं है!

यहां से जाने के पहले सिर्फ एक ही काम बाकी है! मक्कड़ाक की मेमोरी को साफ करना! ताकि नागराज उसके जरिए मिस किलर तक न पहुंच सके!

ओहो! तो तू यहां पर ही है! यानी मक्कड़ाक को भेजना एक सोचे-समझे षडयंत्र का ही एक हिस्सा है!



धड़क

बता! किसने बनाया है ये षडयंत्र? किसका मोहरा है तू?

तू मेरा अब कुछ नहीं बिगाड़ सकता, नागराज! तेरी अधिकतर शक्तियां तो तेरे शरीर से पहले ही निकल चुकी हैं!

तू मुझे डरा नहीं सकता, नागराज! दुनिया जानती है कि तू किसी की जान नहीं लेता!



फिर भी मेरे पास तुम्हको मसलने लायक पर्याप्त शक्तियां हैं शंकुनाद!

ठीक कहा तूने! मैं जान नहीं लेता! पर ऐसी हालत जरूर कर देता हूँ कि आदमी रबुद मौत मांगने लगे!



मैं तेरी याददाश्त को साफ कर दूंगा! तू अपना नाम तक भूल जाएगा, शंकुनाद!

नहीं! नहीं!

ऐसा मत करना नागराज! क्योंकि सिर्फ मैं ही जानता हूँ कि इस वक्त तुम्हारे रबोर्ड शक्तियाँ कहाँ पर हैं?...
... और फिर तुम यह भी कभी नहीं जान पाओगे कि यह षड्यंत्र किसका रचा हुआ है?

यह तो मैं किसी न किसी तरीके से जान ही लूंगा!

तुम्हें अगर अपनी याददाश्त बचानी है तो रबुद बता दे!



तभी-

ध्वंसक सर्प!
मेरे ध्वंसक सर्प!
आsssह!

नागराज का दिमाग धीरे-धीरे अंधेरे में डूबने लगा-



यह सिर्फ उसकी इच्छाशक्ति ही थी जिसने उसको पूरा बेहोश होने से बचाए रखा था-

शंकुनाद भागरहा है! मेमोरी ट्रांसफर यंत्र भी उसने उठा लिया है!...

... लेकिन... उसके साथ कोई और भी है! यह जरूर वही शरक्स होगा, जिसके पास शंकुनाद ने मेरी शक्तियाँ ट्रांसफर की हैं!

मेरी शक्तियाँ धारण करने वाला शरक्स मामूली नहीं हो सकता! कौन है ये?

और अब कहाँ दूँगा मैं इसको?

और कैसे वापस लूँगा अपनी शक्तियाँ!

थोड़ी देर बाद - महानगर के एक अंजान हिस्से में-

मैडम! मैडम!
अभियान सफल रहा!
मैंने नागराज की शक्तियां
सफलता पूर्वक नागराजो
के अन्दर स्थानांतरित
कर दी हैं!

वाह! यानी... अब
मेरे पास अपना एक
नागराज तैयार है!

नागराज की
पूरी शक्तियों
के साथ! वाह!

ले! पकड़
शंकुनाद
अपना
रोकड़ा...



... और दिरवा मुझे शक्ति-
हीन नागराज की लाश!

जाओ, और
उसकी सारी शक्तियां
चूसकर आओ!

यह अब असंभव है, मिस
किलर! नागराज हमारी
योजना को समझ चुका है!
अब वह अपनी शक्तियों का
प्रयोग इतनी आसानी से
नहीं करेगा!

लाश! वो तो नहीं
ला पाए, मैडम!

क्यों? क्यों नहीं कुचल
डाला तूने उस सांप को?



तो फिर उसको
मजबूर करना पड़ेगा
कि वह अपनी बची
शक्तियों का प्रयोग करे!

और स्पेसा करने के
लिए उसको मजबूर
करेगा मेरा पालतू
नागराज! नागराजो!

क्योंकि कुछ शक्तियां
उसमें अभी भी बची हुई हैं! मैं सारी
शक्तियां नहीं रबींच पाया!

मूर्ख! नागराज
बगैर शक्तियों के
भी एटम बम से
ज्यादा खतरनाक है!

नागराज, स्थिति को समझ नहीं पा रहा था-

नहीं, नागराज! तुम्हारी शक्तियों का पता लगाने में मेरा ज्योतिष ज्ञान कोई मदद नहीं कर सकता है!

दादाजी! दादाजी! नागराज को न जाने क्या हो गया है! अभी-अभी खबर आई है कि किंगडम पर वह विषफुंकार के जरिए लोगों को बेहोश कर रहा है!

मेरे जामूस सर्प भी शंकुनाद का पता नहीं लगा पा रहे हैं! और मक्कड़क की याददाश्त भी गायब हो चुकी है! कोई रास्ता ही नहीं सूझ रहा!

लेकिन नागराज तो यहां पर है मेरे पास!

ओ माई गॉड! फिर वो कौन है जो नागराज जैसी विषफुंकार धोड़ रहा है?

मुझे बहुत संभलकर अपने दुश्मन के सामने जाना होगा! पूरी योजना बनाकर! क्योंकि मुझे अपनी शक्तियां वापस लेने का कोई दूसरा मौका नहीं मिलेगा!

मेरे जैसी नहीं, वह मेरी ही विषफुंकार धोड़ रहा है!

अभी कुछ दिनों पहले जब मेरा शरीर और मेरी शक्तियां दो भागों में बंट गई थी, तो ध्रुव ने मेरे शरीर और शक्तियों को एक होने में मदद की थी! ●

लेकिन इस बार तो मेरी शक्तियां बंटी नहीं, बल्कि छिन गई हैं! और उनको वापस लेने के लिए मुझको जान पर खेलना होगा! क्योंकि फिलहाल मेरे पास कुछ ही शक्तियां बची हैं! और वह भी मामूली सी!

और अगर यह यहां पर है तो शंकुनाद भी आस-पास ही होगा!... क्योंकि इसके जैसे खूबे आम हमला करने का संकल्प सिर्फ एक ही हो सकता है! मुझे अपनी बची शक्तियों का प्रयोग करने पर मजबूर करना! ताकि शंकुनाद उनको भी इस शरक में स्थानांतरित कर सके!

पहले शंकुनाद को ढूंढना होगा!

और इसी वक्त- वहां से दर-

इस बार मैं शंकुनाद की जानकारी पर निर्भर रहना नहीं चाहती! मुझे सब कुछ अपनी आंखों से देखना है!

और इसलिए मैंने नागराज और शंकुनाद के पीछे अपना फ्लाइंग कैमरा भी लगा दिया है!

मिस किलर को टकराव देरवने के लिए ज्यादा देर तक इंतजार नहीं करना पड़ा-

रुक जा! और मेरी फुंकार को मुझे वापस दे दे!

मेरी बाकी शक्तियों के साथ!

नागराज! तो... तो फिर विष फुंकार छोड़ने वाला कौन है?

ALP



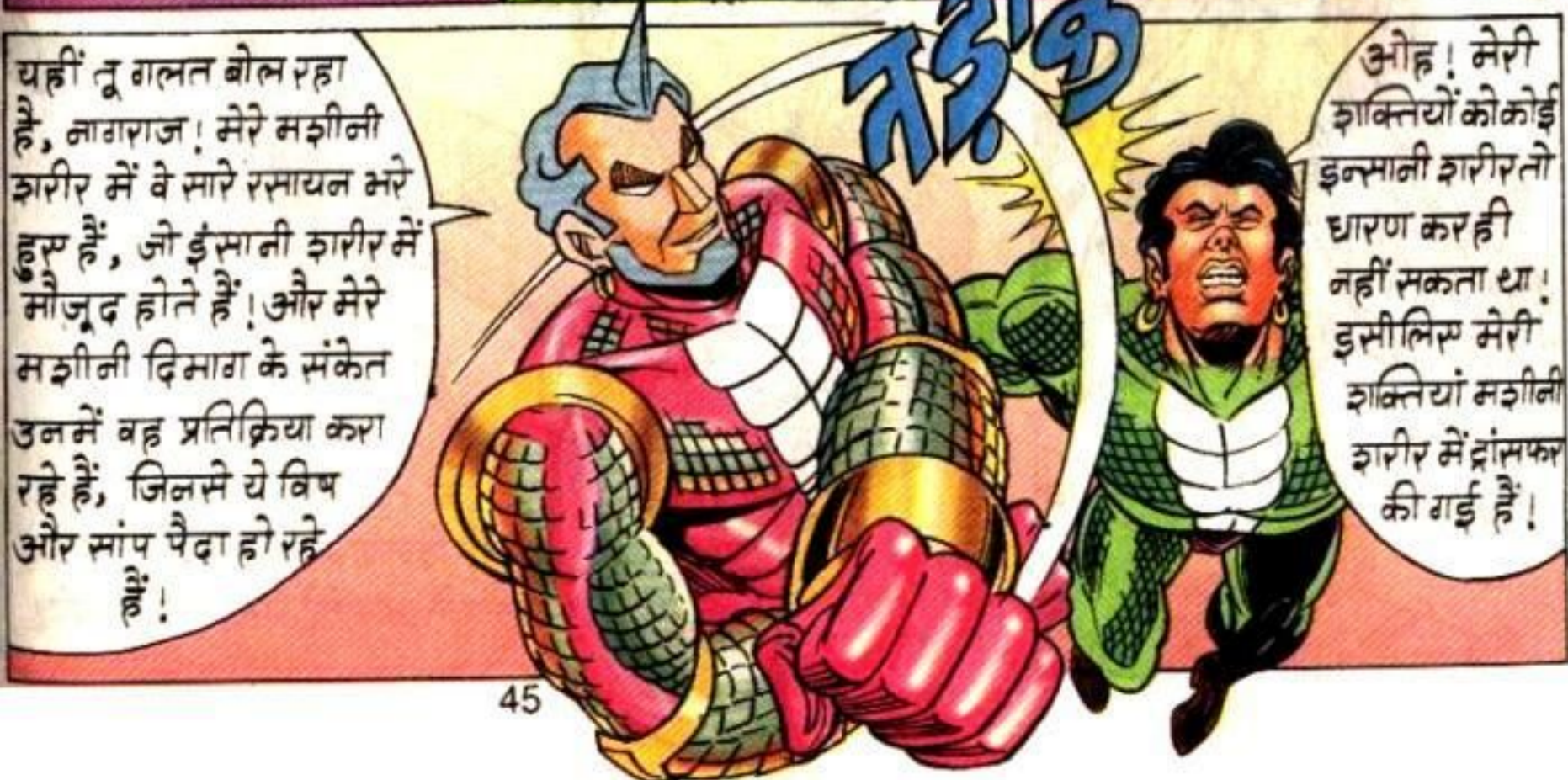
ये... ये तो
स्क रोबोट है!
स्क और मशीन!

हां, मशीन!
लेकिन इस मशीन
का नाम भी है!
नागराजो!



लेकिन यह असंभव है!
ये कैसे हो सकता है? स्क
रोबोट, विष और सांप
कैसे पैदा कर सकता है!
उसके अन्दर तो सिर्फ धातु
और प्लास्टिक भरा होता
है!

क्रू
क्रू
क्रू
क्रू



यहीं तू गलत बोल रहा
है, नागराज! मेरे मशीनी
शरीर में वे सारे रसायन भरे
हुए हैं, जो इंसानी शरीर में
मौजूद होते हैं! और मेरे
मशीनी दिमाग के संकेत
उनमें वह प्रतिक्रिया करा
रहे हैं, जिनसे ये विष
और सांप पैदा हो रहे
हैं!

ओह! मेरी
शक्तियों को कोई
इन्सानी शरीर तो
धारण कर ही
नहीं सकता था!
इसीलिए मेरी
शक्तियां मशीनी
शरीर में ट्रांसफर
की गई हैं!



हा हा हा! नागराज चकित हो गया है! और तब तो उसकी आंखें ही फट पड़ेंगी, जब उसको पता चलेगा कि यह मिस किलर का काम है!...

... उसकी आंखें फटती देखने के लिए ही मैंने नागराजो में खास आदेश भरा है कि वह नागराज को बेहोश करके यहां लाए। मेरे सामने!...

... ताकि मैं अपने हाथों से उसकी मारने का सुख प्राप्त कर सकूं!



डांकुनाद भी अपने काम पर जुटा हुआ था-

और नागराज भी एक हारती हुई बाजी को पलटने की कोशिश कर रहा था-



अपनी शक्तियों का प्रयोग कर! जल्दी कर! ताकि मैं उनको ट्रान्सफर कर सकूं!



मैं तेरे मशीनी दिमाग को तोड़ दूंगा, नागराजो! फिर तेरे दिमाग में भरी शक्तियां बाहर अपने-आप मेरे पास लौट आएंगी!

मेरा सिर इस गुदगुदे सर्प गोले से नहीं टूटने वाला नागराज! मेरा सिर उस धातु का बना है, जिससे अंतरिक्ष झटल बनाई जाती है!

तू अपने सिर की फिक्र कर! जो शायद तेरे ही दवंसक सर्पों से न बच पाए!

सर्प सेना बाहर क्यों नहीं आ रही है! क्या... क्या मेरी ये शक्ति भी चली गई है!

और जब तेरी सारी शक्तियां नागराजो में ट्रांसफर हो जाएंगी तब तुझे यहां लाया जाएगा मेरे सामने! ताकि तू पहले अपने आपको मारने वाले की शकल दे सके, और फिर लड़प-लड़पकर मर सके!

हाहाहा! हां, नागराज! तू अपनी शक्तियों का प्रयोग करता रह और उनको खोता रह!

मेरे सिर की रक्षा मेरा इच्छाधारी शक्ति कवच करता है, नागराजो! अब मैं तुम्ह पर सर्प सेना का स्पेस खतरनाक बार कलंगा कि... अरे!

ओह! ये... ये क्या हो गया है नागराज को! उसकी सारी शक्तियां इस रोबोट में चली गई हैं!



मेरी सारी शक्तियां एक-एक करके तुने चुराई हैं नागराजो ! और चीरों पर नागराज कोई रहम नहीं करता ! तोड़ दूंगा मैं तेरे सारे शरीर को !

नागराज के वार में ताकत जरूर थी-



लेकिन सर्प शक्ति के सामने शारीरिक शक्ति बेकार थी-

सर्प रस्मी !

ओह ! अब तो इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करना ही होगा ! वरना जान नहीं बचेगी !



हा हा हा ! मुझे नागराज की यह शक्ति नहीं चुरानी है ! ऐसा मुझको आदेश दिया गया है !

नागराज की इच्छाधारी कणों में बदलने से कोई फायदा नहीं हुआ-

ओह ! सर्प रस्मी भी मेरे साथ-साथ ही कणों में बदल गई ! मैं तो भूल ही गया था कि ये मेरे जैसे ही हैं ! जो मेरे शरीर में रहते हैं, और मेरे साथ-साथ ही कणों में बदल जाते हैं !



नागराज को असली रूप में आना ही पड़ा ! और-





औह! नागराज की सारी शक्तियां चली गई हैं, और इस राक्षस ने उसको बेहोश कर दिया है!

अब हमको इससे कौन बचाएगा?

फिलहाल तो भागो!



हा हा हा! भागोगे कहां? अब तो हम दुनिया के राजा हैं! हम वापस आएंगे!

और तुम सब हमारे गुलाम बनोगे! तुम्हारी चाददाइन में सिर्फ एक ही लफ्ज बचेगा...
... गुलामी!

अब चलो नागराजो!

और थोड़ी ही देर बाद-



हहा हा हा! मैंने अपने सारे पिजे तेज करके रखे हैं! धीरे- धीरे उधेड़ूंगी नागराज का शरीर!

और सुनूंगी उसकी चीरें! उनकी टेप भी कर लूंगी!

पंजा, गार्दन में घुसते ही इसको अपने आप होश आ जाएगा!

आहा ! होडा मैं आ गया मिस किलर !
तू, नागराज ! देख, गौर
से देख !

अरे ! अरे ! यह क्या ? तेरे
शरीर में अभी भी साँप हैं !
और... और वे बाहर भी
निकल रहे हैं ! पर कैसे ?

हां ! मैं ही हूँ, जिसने तेरी
शक्तियाँ छीनकर नागराजो में
भरी हैं ! और अब मैं तेरी रवात्म उधेड़कर
उसमें भूसा भरूंगी ! और तू चीरवेगा !
गला फाड़कर चीरवेगा ! चीरव !

सोचो, मिस किलर !
शक्तियाँ चुराना तुम्हारा
प्लान था, मेरा नहीं !

तू... तू आजाद भी हो गया,
अभी भी तेरे शरीर में शक्ति है !

नागराजो ! इसकी रोक !
रवात्म कर दी इसे विष फुंकार
छोड़कर ! ध्वंसक सर्प दागकर
इसके चिथड़े-चिथड़े कर दी !
मार डालो इसे !

ये तुम्हारे आदेश का पालन जरूर करता, मिस किलर...



... लेकिन तब जब इसके पास मेरी नाग शक्तियां होतीं!

ये... ये मजाक है! ध्वंसक सर्प तो नागराजों के पास थे!

तुम्हारे पास ये कैसे आए ?



यह सब तेरा किया धरा है, शंकुनाद! तुने धोखा दिया है मुझको! तू नागराज से मिल गया है!

यह सच कह रहा है, मिस किलर! इसकी सचमुच कुछ पता नहीं है!

कसम ले लो, मैडम! मैं खुद नहीं जानता कि यह गोलमाल हुआ कैसे ?



दरअसल जब मैं नागराबो से मिडने के लिए महानगर के 'किंगज-सर्कल' की तरफ बढ़ रहा था, तो साथ-साथ अपनी बची हुई शक्तियों को याद करके उन पर आधारित योजना भी तैयार करता जा रहा था!

और उसी योजना के अनुसार मैं किंगज सर्कल पर पहुंचकर...

“पहले झंकुनाद की तलाश करने लगा! क्योंकि मुझे पुरा आभास था कि यह तबाही मेरी बाकी शक्तियों को चुराने के लिए ही फैलाई जा रही है! और शक्तियों को चुराने के लिए झंकुनाद का वहां पर होना अनिवार्य था-”



“पहले तो मैं झंकुनाद को सीधे-सीधे ही नागराबो में स्थित शक्तियों को वापस अपने अंदर स्थानांतरित करने का आदेश देने जा रहा था! पर तभी मेरी नजर उस उड़ते हुए 'टेली कैमरे' पर पड़ी, जो झायदतुमने भेजा था, स्थिति पर नजर रखने के लिए-”

“सम्मोहन की शक्ति अभी भी मेरे पास थी”

“असावधान झंकुनाद पलभर में मेरे सम्मोहन में बंध चुका था-”

और यह काम पूरा करने के बाद, मेरे सम्मोहन आदेश के अनुसार झंकुनाद के दिमाग में यह सारी जानकारी मिट गई, और यह मुझको यहां तक ले आया! तुम्हारे पास!



“मेरा एक मकसद तुम तक पहुंचना भी था! इसी लिए मुझे योजना को बदलना पड़ा-”

“मैं नागराबो से ऐसे टकराने लगा, जैसे वह मेरी शक्तियां छीन रहा हो! पर सचचाई तो यह थी कि सम्मोहित झंकुनाद उसकी शक्तियों को वापस मेरे शरीर में पहुंचा रहा था-



तू एक बात भूल गया नागराज कि डॉकुनाद के पास अभी भी 'मेमोरी ट्रांसफर गैजेट' है! वह तेरी शक्तियों को दोबारा रवींचकर नागराजो के मशीनी दिमाग में भर सकता है!

अभी रवींच लूंगा मैं इसकी सारी शक्तियां!

डॉकुनाद, रवींच ले इसकी सारी शक्तियां! इस बार तो तू जानता ही होगा कि इसके दिमाग में शक्तियों के केन्द्र कहाँ-कहाँ पर हैं!

मैंने तुम्हारी योजना पूरी तरह से विफल कर दी है मिस किलर! अब आत्म-समर्पण कर दो, वरना मुझको एक स्त्री पर वार करने के लिए विवश होना पड़ेगा!

तू ऐसा कर ही नहीं सकता डॉकुनाद! क्योंकि मेरे सम्मोहन का एक आदेश यह भी था कि तू कभी इस यंत्र का प्रयोग नहीं करेगा!



जरूर करूंगी! करना ही पड़ेगा! लेकिन पहले इस डॉकुनाद को इसकी गलती का दंड दूंगी!



सच में! अब मैं इस यंत्र में मानसिक ऊर्जा को दौड़ा नहीं पा रहा हूँ!



सर्प हथकड़ी, मिस किलर की कलाइयों पर कस गई-



सिर्फ हाथ ही नहीं, पूरा
शंकुनाद निकल रहा है, नागराज!
जो अब बन चुका है तेरी मौत!
अब तू इसको शंकुनाद नहीं,
भस्मार नाम से बुला !

तुम इन्सान
नहीं, हैवान हो
मिस किलर! यह
क्या हाल बना दिया
है तुमने शंकुनाद
का ?

‘मेमोरी ट्रांसफर गैजेट की
रवबर मिलने से पहले ही मैंने इसका
ये अंजाम सोच लिया था, नागराज! इस
केबिन ने इसके शरीर पर मिश्रित धातु की
पर्त चढ़ा दी है, और इसकी मानसिक
ऊर्जा को ऊष्मा ऊर्जा में बदल दिया
है!

ये एक स्पेसी भदठी
बन गया है, जिसका ईंधन
इसके विचार हैं! इसकी
सोच हैं!

अब सिर्फ इच्छाधारी शक्ति का ही सहारा है! और वह भी मुझे सिर्फ बचा सकती है!

इच्छाधारी शक्ति के जरिए मैं हमला नहीं कर सकता! फिर क्या करूँ?

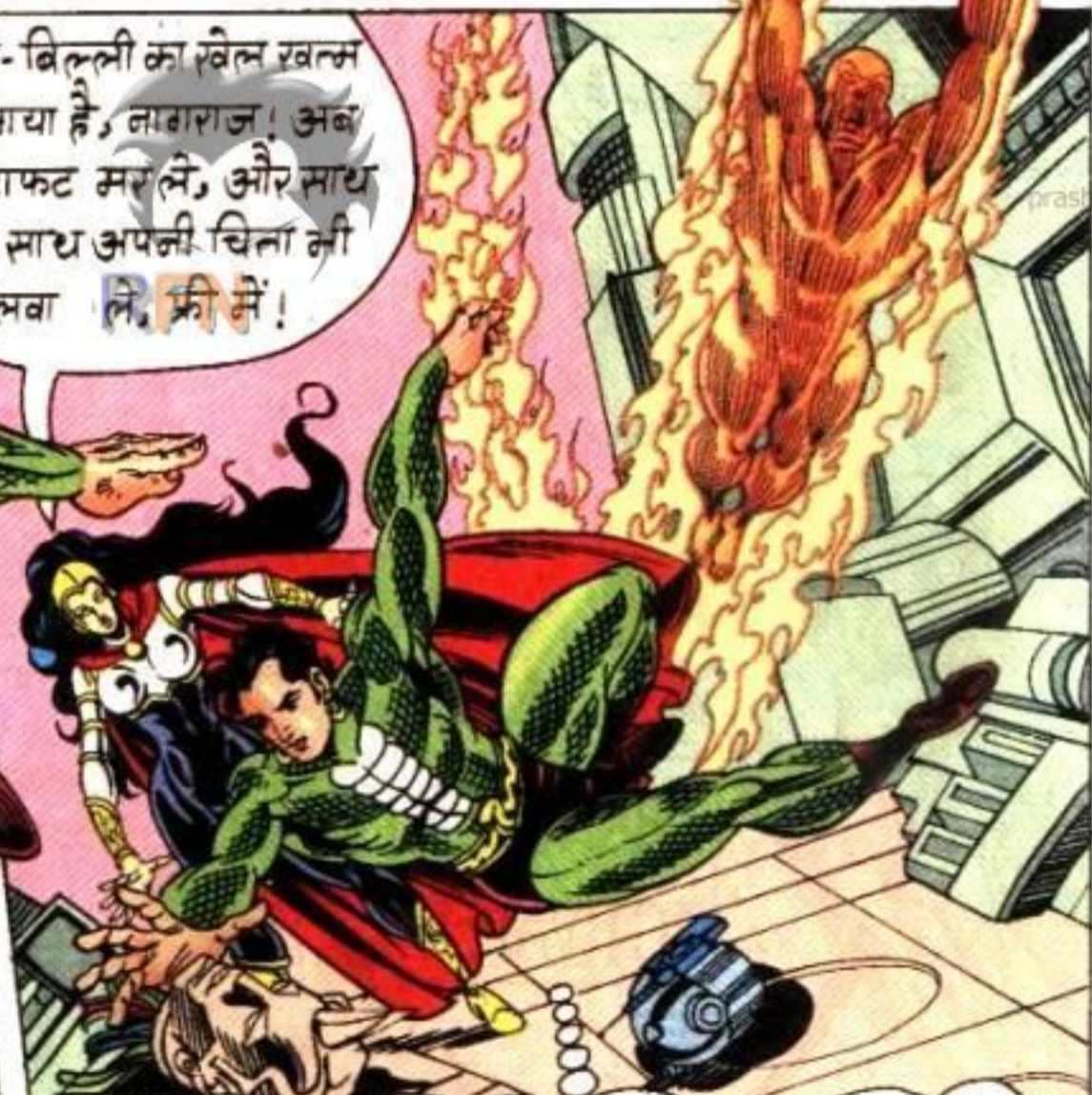
ये धातु की मशीनें! इसके शरीर से टकराकर ये धातु पिघलेगी, और इसके ऊपर एक रबोल बन जाएगा! वह रबोल इसका संपर्क ऑक्सीजन से काट देगा!

लेकिन नागराज की यह योजना भी नाकामयाब रही-



ओह! रबोल तभी बन सकता है जब ये धातु सूरख कर कड़ी हो! इंकुनाद यानी भस्मार का ताप इस धातु को ठोस होने ही नहीं देगा!

चूहे- बिल्ली का खेल खत्म हो गया है, नागराज! अब फटाफट मर लो, और साथ ही साथ अपनी चिन्ता भी जलवा ले, फ्री में!



ओ! नागराजो के कटे मशीनी सिर के सर्किटों में अभी भी करंट दौड़ रहा है! तब तो मेरा काम शायद बन सकता है!

भस्मार को मैं उसके ही हथियार से खत्म करूँगा!

ओह! तू मेमोरी ट्रांसफर यंत्र का प्रयोग करके भस्मार को रोकना चाहता है! इसके बारे में तो मैं भूल ही गई थी! लेकिन कोई बात नहीं! भस्मार की मेमोरी तुम्हको कहीं न कहीं तो ट्रांसफर करनी ही पड़ेगी! मेरे सर के कवच के कारण तू मेरे दिमाग तक तो पहुंच पाएगा नहीं! अब बचा तेरा दिमाग!



चाहे तो उसमें भस्मार की सुलगती मेमोरी को ट्रांसफर कर ले, और उड़ा ले चिथड़े अपने सर के!

सक सर और है मिस किलर! नागराबो का टूटा हुआ सर! उसके सर्किटो में अभी भी ऊर्जा है! मैं शंकुनाद उर्फ भस्मार की मानसिक शक्ति को उसमें ट्रांसफर कर रहा हूँ!

शंकुनाद उर्फ भस्मार की मेमोरी ट्रांसफर होते ही पहले तो नागराबो का सिर चिथड़ों में बंट गया-



तड़गा बु



और फिर शंकुनाद का दिमाग बेहोशी में डूबता चला गया -

X: 1292.04
Y: 3215.25
Z: 0522.71

तुम्हारे सारे वार विफल रहे मिस किलर ! अभी भी कोई वार बाकी हो तो उसको करके देख लो ! उसके बाद ही मैं तुमको कानून के हवाले करूंगा !

तुम्हें तो मैं मारूंगी ही मारूंगी ... नागराज !

हर कीमत पर मारूंगी !

ओह ! मिस किलर ने अपने आपको भी उसी चैंबर में बन्द कर लिया है ! अब ये न जाने क्या बनकर बाहर निकलेगी !

लेकिन-

ओफ़ ! लगभग पांच मिनट बीत चुके हैं ! मिस किलर आखिर बाहर क्यों नहीं निकलती ! अब मैं और इंतजार नहीं कर सकता ! मैं रबुद उसको बाहर निकलने के लिए मजबूर करूंगा !

मुझे इसके बाहर निकलने का इंतजार करना होगा !

नागराज को एक पल में ही जवाब मिल गया -

ओह ! मिस किलर ने मुझको धोरवा दिया !

इस केबिन के पीछे की दीवार सरकने वाली है ! मिस किलर इस रास्ते से भाग गई है !

लेकिन मैं मिस किलर को अच्छी तरह से जानता हूँ ! वह वापस आएगी ! जल्दी ही आएगी और पूरी तैयारी के साथ आएगी !

इस बार वह सिर्फ नागराज से टकराने के लिए ही आएगी ! और मुझे अगर जिंदा रहना है तो सावधान रहना होगा !